

DPN 6793

1) विभूति धारणाविधि / VIBHŪTI DHĀRANAVIDHI
2) नित्यकर्म विधि / NITYA KARMAVIDHI

Title :

Run. No. 7518

Cat. No. 12

Micro. No.

Subject *Tāntrika karmakāṇḍa* Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 26.5 x 15

Folios 7

Lines (in a page)

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

बाबानाथ वैद्य

Date: NS / SS / VS / KS 1969

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Together with some Stotras

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / Nepali paper, Bound

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

① इति विभूतिधारणविधिः । ② इति नित्यकर्मविधिः शुभम् ।

श्रीगणेशायनमः

श्रीसूर्यमात्मना

श्रीदेवतायनमः

श्रीगणेशाय

श्रीसूर्यमात्मना

श्रीदेवतायनमः

सन्वत् १८८८ सालीति कार्तिक शुद्ध दशम

भायापोमक वनायाको

कृष्णायवापुदेवाय गोवाहागाहनाय च ॥ जगदा

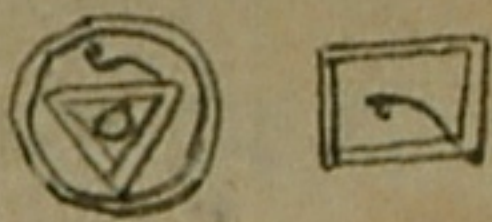
त्पय कृष्णाय गोवाहागाहनाय च ॥ ॐ ॥

सन्वत् १८८८ सालीति कार्तिक शुद्ध दशम

भायापोमक वनायाको

श्रीगणेशायनमः॥ ॥अथविभूतिधारणावि
 धि॥ ॥त्रिराचम्य॥ ॥ॐ आत्मतत्त्वाय स्वाहा॥ ॥ ॐ
 विशातत्त्वाय स्वाहा॥ ॥ ॐ शिवतत्त्वाय स्वाहा॥ ॥
 ॐ अस्त्राय फट् ॥ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः॥ ॐ तर्जनीभ्यां
 नमः॥ ॐ मध्यमाभ्यां नमः॥ ॐ अनामिकाभ्यां नमः॥ ॐ क
 निष्ठिकाभ्यां नमः॥ ॐ करतलपृष्ठाभ्यां नमः॥ ॥ ॐ हृ
 दयाय नमः॥ ॐ शिरसे स्वाहा॥ ॐ शिरसायैवौषद् ॥ ॐ
 कवचाय ॐ ॥ ॐ नेत्रत्रयाय वषट् ॥ ॐ अस्त्राय फट्
 ॥ ॥ देपालाहातीसविभूतितये कछपमुडानतोकप
 ये ॥ ॐ अग्निरिति भस्म जलमिति भस्म स्थलमिति भस्म
 वायुमिति भस्म व्योमरिति भस्म सर्वभस्माय श्री महादेवा
 यनमः॥ ॥ विभूतिह्याये पंचकोणावोये ॥ शोधनया
 ये ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॥ विभूतितये ॥ ॐ वसुणो नमः शि
 रसः ॥ ॐ सदा शिवाय नमः सोमो तसः ॥ ॐ नीलकंठाय
 नमः ॥ कंठसः ॥ ॐ हव्यवाहनाय नमः नृगलसः ॥ ॐ स्कं
 दाय नमः नाभिसः ॥ ॐ इंद्राय नमः जववाजसः ॥ ॐ आ
 दित्याय नमः वुल्यासः ॥ ॐ सोमाय नमः वुल्यास्यथा
 सः ॥ ॐ वामदेवाय नमः देपावाजसः ॥ ॐ प्रभंजनाय न
 मः वुल्यासः ॥ ॐ मणिबंधाय नमः वुल्याह्यायेथासः ॥
 ॐ वसुभ्यो नमः उगाधिसः ॥ ॐ सर्वभस्माय महादेवा
 यनमः सर्वांगभावयाये ॥ ॥ लाहानमिडावनातुडा
 ववाये ॥ ॥ त्रिराचम्य ॥ जाप ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॥ स्तोत्र
 ॥ नमः शिवाय शान्ताय कारणत्रयहेतवे ॥ निवेदया
 मिवात्मानं त्वं गतिपरमेष्ठिन ॥ पुरववाद्य ॥ ॥ त्रिरा
 चम्य ॥ न्यासलिकाय ॥ ॐ अस्त्राय फट् ॥ संहारमुडा

॥ लंघना ॥ ॐ शिवाय गुरवे नमः ॥ ३ ॥ इति विभू
 तिधारणाविधिः ॥ ॥ शुभम्



ॐ नमः श्रीपरदेवतायै ॥ ॥ त्रिराचम्य ॥ ॐ आत्मत
 त्त्वाय स्वाहा ॥ ॐ विशातत्त्वाय स्वाहा ॥ ॐ शिवतत्त्वाय
 स्वाहा ॥ ॥ स्नानयत्रये ॥ स्नानं नमः अलिस्नानं न
 मः चंदनं नमः सिंदूरं नमः अक्षतं नमः पुष्पं नमः ॥ ॥
 त्रिराचम्य ॥ सूर्याय ॥ अद्येत्यादि ॥ अस्मत्तु श्री स्वष्ट्ये देवता
 सुप्रीतये नित्यकर्म देवार्चननिमित्तार्थं कर्तुं फलमार्त
 ण्डभैरवाय अर्घनमः पुष्पं नमः ॥ ॥ गुरुनमस्कारं मृग
 मुडा ॥ ॐ ॐ श्रीं अरुणं मण्डलाकारं व्याप्तये नमः ॥
 ॥ तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥ गुरुवहाग
 रुर्विष्णु गुरुदेव महेश्वर ॥ गुरुरेव जगत्सर्वं तस्मै श्री
 गुरवे नमः ॥ परमगुरुभ्यो नमः ॥ परमैर्गुरुभ्यो नमः ॥
 परमाचार्य्य गुरुभ्यो नमः ॥ अर्घपात्रासनाय पादुकां
 ॥ जलपात्रासनाय पादुकां ॥ शंखपात्रासनाय पादु
 कां ॥ आसनताने ॥ आत्मासनाय पादुकां ॥ कूर्मा
 सनाय पादुकां ॥ ॥ जवधवताने सौः अस्त्राय फट् ॥
 ॥ ॥ हवनेताने ॥ सौः अस्त्राय फट् ॥ ॥ वज्रमुडानजि
 हासत्रिकोणावोये ॥ ॐ ॐ वज्रं फट् वज्रपंजरे

वसिष्ठासनाय पादुकां ॥

स्वाहा चलमकुले कुलमवले जांजीरु फरु स्वाहा
 ॥ ॥ वामे गुरुभ्यो नमः ॥ दक्षिणे गणपतये नमः ॥
 अग्रे शिखंदेवताये नमः ॥ लाहा प्रयेका वदला सदा
 ये सौः अस्त्राय फरु ॥ प्राणायामः ॥ ऐं १२ क्लीं १६ सौं
 १० ॥ सौं अस्त्राय फरु ॥ ऐं अंगुष्ठाभ्यां नमः ॥ क्लीं तर्ज
 नीभ्यां नमः ॥ सौं मध्यमाभ्यां नमः ॥ ऐं अनामिकाभ्यां
 नमः ॥ क्लीं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ॥ सौं करतलपृष्ठाभ्यां
 नमः ॥ षडंग ॥ ऐं हृदयाय नमः ॥ क्लीं शिरसे स्वाहा ॥
 सौं शिखायै वौषट् ॥ ऐं कवचाय हुं ॥ क्लीं नेत्रत्रयाय
 वषट् ॥ सौं अस्त्राय फरु ॥ इति मूलन्यासः ॥ ॥ जल
 पात्रपूजा ॥ ॐ वृक्षणे नमः ॐ विष्णवे नमः ॐ रुद्राय
 नमः ॐ सदाशिवाय नमः ॥ आवाहनादि वंदनाक्ष
 तपुष्पं नमः धेनुमुडा ॥ अर्घ्यां शंखसजलतये ॥
 ॥ अर्घ्यापूजा ॥ ऐं अग्निमण्डलाय नमः ॥ हं सूर्यम
 ण्डलाय नमः ॥ संसोममण्डलाय नमः ॥ त्रियांजलि
 ॥ ऐं क्लीं सौं जलपात्रभट्टारिकायै पादुकां ॥ षडंगनपू
 जा ॥ आवाहनस्थापनवदनाक्षतपुष्पं नमः धेनुमु
 डां दर्शयेत् ॥ ॥ शंखपूजा ॥ ऐं अग्निमण्डलाय नमः ॥
 हं सूर्यमण्डलाय नमः ॥ संसोममण्डलाय नमः ॥ त्रि
 यांजलि ॥ ऐं क्लीं सौं शंखपात्रभट्टारिकायै पादुकां
 ॥ षडंगनपूजा ॥ आवाहनस्थापनवदनाक्षपुष्पं न
 मः ॥ शंखमुडां दर्शयेत् ॥ ॥ अर्घ्यां शंखपात्रजलनदि
 वसथवशिरसहाये गायत्रीन ॥ ऐं त्रिपुरादेवी विघ्न
 मीडुकावरी जले स्मृतिं मनीषी कुत ॥ इति ॥ १०

हे क्लीं कामेश्वरी धीमहि सौं तन्नोक्तिन्नप्रबोद
 यात् ॥ ॥ अर्घ्यपात्रपूजा ॥ सौं ऐं क्लीं सौं अर्घ्यपा
 त्रासनाय पादुकां ॥ इत्येन प्ररं ॥ चतुःसंस्कारा
 मूलनको सोये ॥ ऐं क्लीं सौं ॥ ताडन सौं अस्त्रा
 य फरु ॥ अवगुंठनं ऐं कवचाय हुं ॥ वं धेनुमुडा
 ॥ ऐं योनिमुडा ॥ ॥ त्रिकूटमुडानवाले ॥ गूं स्तूं
 हूं स्तूं ॥ ॥ मत्स्यमुडानतोकपुये सोधन
 ॥ ऐं क्लीं सौं स्वाहा ॥ ॥ पूजा ॥ ऐं क्लीं सौं अर्घ्यपात्र
 भट्टारिकायै पादुकां ॥ षडंगनपूजा ॥ आवाह
 नादि धेनुयोनिमुडा ॥ ॥ कछपमुडानभूतशु
 क्षि ॥ ऐं क्लीं सौं सौं क्लीं ऐं ॥ ॥ आत्मपूजा ॥ ऐं
 वंदनं पादुकां ॥ जीं अक्षतं पादुकां ॥ श्रीवीरभ
 श्मं पादुकां ॥ हूं सर्वजनमोहनी पादुकां ॥ हौं
 नानाछत्रालंकारपुष्पं पादुकां ॥ विंडनसिरस
 हाये ॥ कूं सौं पादुकां ॥ ॥ आवाहनं ॥ श्रीसंव
 र्तमंदलांतेक्रमपदसहितानंदशक्तिं मुभी
 मा सृष्टिन्याये चतुष्कं अकलकलगतं पंचकं
 वान्यकं ॥ चत्वारपंचकोरोपनरपि चतुर
 तत्ततो मण्डलेन संस्पृश्येन तस्मै नमति गुरु
 वरं भैरवं श्रीकृजेश ॥ इदं आवाहयिष्ये आवा
 हयामि नमः ॥ ॥ त्रिवलिपूजा ॥ नरासनाय
 पादुकां ॥ मयुरासनाय पादुकां ॥ पुरवासना

वलि ३

यपाडकां॥ प्रोत्तरीपधर्मादेवीमहाकायक्षे
 त्रपालायपाडकां॥ वलिंगूहगूहस्वाहा॥ श्रीं
 कलप्रवडुकनाथायपाडकां॥ गांग्रिं ग्रीं
 कलगणेश्वरायपाडकां॥ वलि॥ आवाहनादि
 ॥ दंदतर्जनीगजमुडां दर्शयेत्॥ तर्पणं॥ श्री
 नाथायनमः॥ श्रीसिद्धिनाथायनमः॥ श्रीत्रि
 प्रेशनाथायनमोनमः॥ ॥ नवात्मापूजा॥ प
 मासनायपाडकां॥ ऐंं श्रीं ह्यैं हौं श्रीं
 नवात्मागुरुमण्डलभट्टाकायपाडकां
 ॥ वलि॥ ॥ मूलसपूजा॥ ऐंं रक्तपद्मा
 यपाडकां॥ ऐंं पंचप्रेतासनायपाडकां॥ त्रिख
 रडामुडानध्यानं॥ ऐंं वारुणमण्डलाभासां च
 त्रिर्वाकुत्रिलोचनां॥ पाशांकुशशरश्चायं धारयं
 त्रिशिवां भजे॥ ध्यानपुष्पं नमः॥ ॥ उपचारपूजा
 ॥ ऐंं कौंसौं॥ श्रीमहात्रिपुरसुंदरीदेव्यै अर्घ्यं नमः॥ ओं
 त्रिपुरसुंदरी देव्यै नमः॥ वंदनं॥ सिद्धं पुष्पं॥ तर्पणं॥ ऐंं कौंसौं
 श्रीमहात्रिपुरसुंदरीदेवीपाडकां पूजयामि तर्पया
 मि नमः॥ ३॥ षडंगं॥ वलि॥ आवाहनादि योनि
 मुडा॥ तर्पणं॥ ॥ उग्रवरुणपूजा॥ सिंहास
 नायपाडकां॥ श्रीं राजप्रदे ह्यैं उग्रवरुणैरि

पुमर्दिनी हूं कै सदा रक्षस्त्वां मां जुं सः मृत्यु हरे
 पाडुका पूजयामिनमः ३ वलि ॥ ॥ मातृका पू
 जा ॥ ऐं वल्लासपा यष्ट मातृका भ्यो पाडुका पूज
 यामिनमः ॥ वलि ॥ असित्तांगादि भैरव भ्यो पा
 डुका पूजयामिनमः ३ वलि ॥ ॥ अष्टाविंशति प्र
 जा ॥ स्वाहा वृंहि प्रेता सनाय पाडुकां ॥ श्री कृजि
 काये पाद्यं नमः अर्घ्यं आचमनीयं स्नानं वंदनं
 अक्षतं पुष्पं ॥ त्रियांजलि ॥ ऐं जीं श्रीं ह्रीं ह्रौं
 स्वां स्त्रीं नमो भगवति ह्रीं कृजिकाये स्वां स्त्रीं
 ह्रीं वलमकुले कुलमवल्ले अघोर
 मुरवी छां छां कि नि कि नि वि त्रे स्वां
 ह्रीं ह्रीं श्रीं जीं ऐं पश्चिम समया
 स्वा पाडुका पूजयामिनमः ३ ॥ षडं
 ग ॥ आवाहनं ॥ धेनु योनिः महा योनिः प
 म्र पुडां दर्शयेत् ॥ ॥ भैरवी प्रजा ॥ ह्रीं ह्रीं श्रीं श्रीं
 प्र भैरवी देवी पाडुका पूजयामिनमः ३ वलि ॥ ॥ उग्र
 तारा प्रजा ॥ जीं स्त्रीं ह्रीं फट् स्वाहा उग्रता एये पाडुकां
 पूजयामिनमः ३ वलि ॥ ॥ शिखा प्रजा ॥ ह्रीं जीं ह्रीं शि
 खा स्वच्छंद महा भैरवाय गृह्य कृजिका स्वा पाडुका पू
 जयामिनमः ३ वलि ॥ ॥ मलस प्रजा ॥ त्रियांजलि
 ॥ ऐं ह्रीं सौंः ह्रीं ह्रीं स्त्रीं श्रीं महा त्रिप्रसंद ए देवी
 पाडुका पूजा जयामिनमः ॥ ३ ॥ षडंग

॥ वलिः ॥ आवाहनादिः ॥ धेनुयोनिपुडां दर्शयेत् ॥
तर्पणः ॥ ॥ त्वाकमहावलिः ॥ ॐ शेत्रपालाय व
लिंगं गृहस्वाहा ॥ श्रीं कलपत्रवटुकनाथाय वलिं
गृहस्वाहा ॥ ॐ कलगणेश्वराय वलिं गृहस्वाहा ॥
यां योगिनीभ्यो वलिं गृहस्वाहा ॥ स्त्र्यै सिद्धिवायुः
गणायै वलिं गृहस्वाहा ॥ कूं कारवीरश्मशानाधिपत
ये वलिं गृहस्वाहा ॥ आं काशचारिणीसर्वगेभ्यो व
लिं गृहस्वाहा ॥ ऐं सर्वभ्यो भूतेभ्यो सर्वभ्यो पि
सविभ्यो सर्वभ्यो इष्टदेवताभ्यो इमां प्रजां वलिं गृहस्वाहा
ममसिद्धिं कुर्वन्तु स्वाहा ॥ आवाहनादिः ॥ योनिपु
डां ॥ तर्पणः ॥ ॥ धूप दीप नैवेद्यः ॥ ॥ जपः ॥

[illegible]

मण्डलं ॥ स्तोत्रं ॥ अखण्डमण्डलाकारं व्याप्तं येन व
खण्डं ॥ तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ॥
श्रीसम्बर्तामण्डलांतेक्रमपदसहितानंदशक्तिसु
श्रीमासृष्टिं न्यायेन्नृक्षं अकलकलगतं पंचकं

इति तेव श्रुत्वा ध्यात्वा - मातुः येनाः

बान्यषट्कं॥ चत्वारिपंचकोणे पुनरपि चतुरः त
 त्ततो मण्डलेन संसृष्टं येन तस्मै नमः प्रतिगुरु वरं
 भैरवं श्रीकृजेश॥ ॥ मायाकण्डलिनी क्रिया मधु
 मती काली कलामालिनी मानंगी विजया जया
 भगवती देवी शिवाशां भवी॥ शक्ति शंकर वल्लभा
 त्रिनयनी वाग्वादिनी भैरवी॥ जींकारा त्रिपुरे परा प
 रमयी माता कृपारी तृतीया॥ ॥ यथा वारा प्रहारा
 र्णां कवचं भवतु वारणां॥ तत्र देव विधानीनां शं
 ति भवतु वारणां॥ अन्यत्र सरणां नास्ति त्वमेव स
 रणां मम॥ तस्मात्कारणा भावेन रक्ष मां परमेश्व
 र॥ क्षमस्व॥ योनि शुद्धाननमस्कार॥ ॥ नैवेद्य दद्या
 दवच्छाये तर्प्य गौश्री॥ मण्डलया स्वांक्षुये॥ ॥ वौ
 धीये॥ किंगो लंबकाया व वौष्णवाऽये का वलि
 संतये॥ आत्मने लीनंगच्छ गच्छ स्वाहा॥ देव वलि
 नुगलथिये ऐं ह्रीं सौ॥ सौः अस्त्राय फुट् रत्नालत्र
 यथायि संहार उजा दर्शयेत्॥ तं घटं तु नु रतये॥
 न्यास लिखाये॥ साद्विधाये॥ अस्मत्तत्त्वित्य कर्म
 देवार्चन विधि संपूर्णार्थं कृत कर्म साक्षि हो
 लमार्त ए भैरवाय अर्घनमः पुष्पनमः॥ वरुणादिक
 काये॥ यंत्रक्षुये॥ ॥ निर्मात्य पूजा॥ जीं निर्मात्य
 वण्डाय नमः॥ ॥ सूर्य पूजा॥ ॐ जीं जीं जीं स्वाहा
 नमः॥ ॥ इति श्री नित्य कर्म विधि अभ्यु

187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000
1001
1002
1003
1004

५१. ५.

977.



